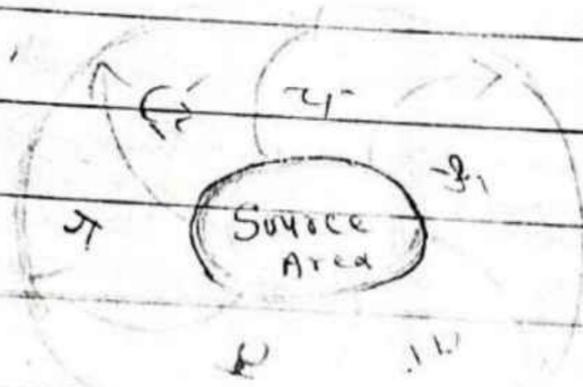


Ans:-

समान गॉसिक विशिष्टताओं की वायुपथी का वायुशांति कक्षा माना है। सामान्यतः सूर्य-विद्युत क्षेत्र के भी इस प्रकार के क्षेत्र हैं - जहाँ वायु शांति वह है जो वायु का क्षेत्र क्षेत्र है जहाँ न केवल समान गॉसिक विशिष्टताएं होती हैं वरन् वायु में नीचे बँकने की भी प्रवृत्ति होती है क्योंकि यह स्थिति वायु होता है। इस प्रकार क्षेत्र के प्रवृत्तिका का प्रारंभ होता है।



प्रवृत्तिका के गतिशील वायु भी वायु शांति के ही भाग है क्योंकि गतिशीलता के कारण गॉसिक गुणों की समानता रहती है। इन दोनों ही क्षेत्रों में (प्रति क्षेत्र और प्रवृत्तिका क्षेत्र) समान रेखाएं आती-समकाल रेखाएं एक-दूसरे के समानांतर चलती हैं जिससे गतिशील विद्युत क्षेत्र होता है।



(iv) वायुमण्डलीय दृश्यता अधिक होती है
क्योंकि वायु के घनत्व में धूलमण्डल के पुंज होते हैं
(v) सौर क्षेत्र में वायु के नीचे बहने

की प्रवृत्ति होती है

(vi) यह सामान्य वायु द्रव्य का प्रदेश

होता है क्योंकि यहाँ 1 किमी की ऊँचाई पर
वायुमान में 6.4° कोल्डिभक की गमी
का जाती है

(vii) आसमान में बादलों का अभाव

होता है। अपत्यिक ऊँचाई पर पक्षक (कीटक)
बादल होते हैं क्योंकि यह वहाँ निहीन
प्रदेश होता है।

(viii) यहाँ के प्रविचक्रवातीय वायु

चलती है, जो सौर क्षेत्रों में

वायु की दूरी बढ़ती है क्योंकि इनमें

मग्निसा काती जाती है

वायु शांति का संशोधन

वायु शांति अपने सौर क्षेत्र में

रूपले : निम्न होती है। लेकिन आसपास

के निम्न दाल क्षेत्र के प्रभाव के इनके

सीमान्त की वायु प्रविचक्रवातीय गतिशीलता

प्राप्त करती है और गतिशीलता प्राप्त

करती है वह अपने सौर क्षेत्र के गुणों

में क्रमिक परिवर्तन करने लगती है। यही क्रमिक

परिवर्तन वायुशांति की भाँति बना होती है

जिसे मौसमी परिवर्तन माना जा सकता है

अबके महत्वपूर्ण परिवर्तन यह होता है कि

वायु-के-गतिशील-रूप-ही-अमन्य-रेखाएं-
 बना-कामकाज-रेखाएं-अनियमित-ही-जाती-हैं
 और-एक-दूसरे-को-Overlap (अतिक्रमण)
 करने-लगाती-हैं।

किसी-गतिशील-वायु-राशि-में-परिवर्तन

निम्नलिखित-या-बनानों-पर-निकाल-करना-है

1. आन-क्षेत्र-के-लक्ष्य-क्षेत्र-की-दूरी-कितनी-है?
2. स्पर्शी-क्षेत्रफल (Touching space) का-मापमान-
करना-है?
3. गतिशील-वायु-राशि-के-स्वाभाविक-के-मार्ग-
करना-है?
4. गतिशील-वायु-राशि-के-विचलन-कम-या-अधिक-
आन-क्षेत्र-के-लक्ष्य-क्षेत्र-के-बीच-की-दूरी-
न्यून-करने-में-उपयोग-किया-है?

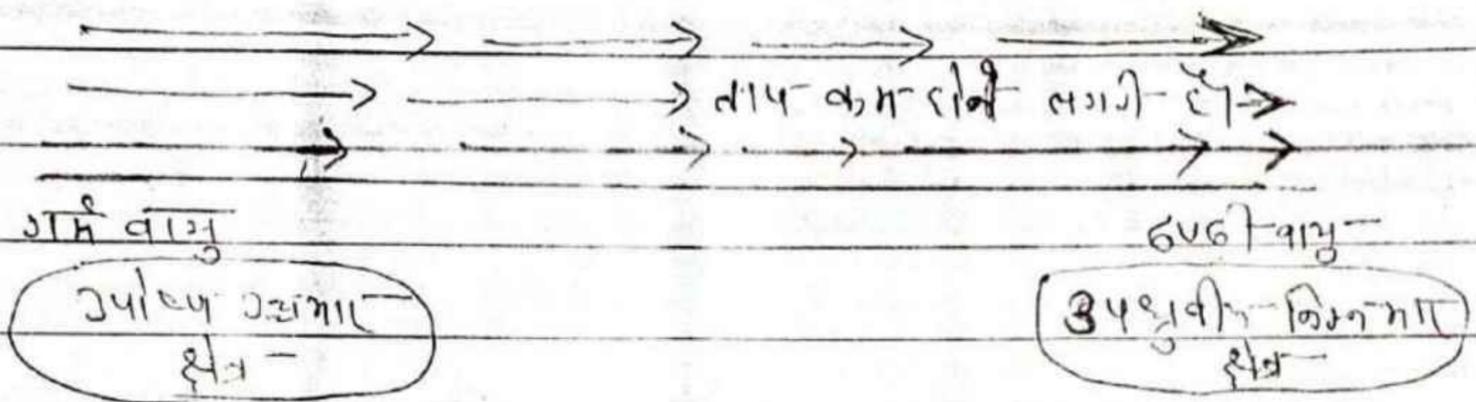
① प्रत्येक-वायु-राशि-का-एक-आन-क्षेत्र-
 और-एक-लक्ष्य-क्षेत्र-होता-है। आन-क्षेत्र-उप-माप-
 होता-है-जबकि-लक्ष्य-क्षेत्र-निम्न-माप। लक्ष्य-क्षेत्र-
 जितनी-अधिक-दूरी-पर-होगी-उतना-क्षेत्रफल-
 मा-परिवर्तन-उतना-ही-अधिक-होगा।

② स्पर्शी-क्षेत्रफल-के-मापमान-पर-की-
 संशोधन-निर्धार-करना-है। सामान्यतः-गतिशील-
 वायु-~~के~~ राशि-के-मा-माप-के-अधिक-माप-की-की-
 प्रवाहित-होगी-है-क्योंकि-तुलनात्मक-दृष्टि-से
 निम्न-माप (M.P) क्षेत्र-में-अधिक-माप-होता-है।
 लेकिन-पहुँचा-हवा-उतना-एक-अपवाद-है।

कभी-कभी- उपोष्ण- उच्च- मात्र- की- गर्म- हवा- में-

उपशुवीर- निम्न- मात्र- की- तरफ- चली- है-
जहाँ- अधिक- भू-आर्शीय- प्रभाव- के- कारण-
ताप- कम- होता- है- जि- भी- पृथ्वी- के-
कोश-लिह- प्रभाव- (घूर्णन- प्रभाव) के- कारण-
वहाँ- निम्न- मात्र- का- निर्माण- होता- है।

[कभी-कभी- हवा- घूर्णन- गति- के- कारण- बाहर-
की- ओर- फेंक- दी- जाती- है- जिसके- कम- ताप-
के- कारण- भी- वहाँ- निम्न- मात्र- उत्पन्न- हो- जाता- है।]



[भी- हवा- में- संघनन- प्रभाव- से- जल-बूंदों-
में- बदल- जाती- है- जो- कुदरे- गरे- वातावरण-
का- निर्माण- करती- है-।- ऐसी- परि-स्थिति-
में- कुदरत- न्यून- हो- जाती- है- ,- इंगलिशा-
पेगल- में- सालों- भर- कुदरत- कम- होने- का-
पर- ठक- प्रमुख- कारण- है-]

सामान्यतः- गर्म- होती- हुई- हवा- में-
ऊप- उठती- है- जिसके- संघनन- और- वर्षा- की-
संभावना- होती- है- लेकिन- यदि- हवा-
ठण्डी- हो- रही- हो- तो- नीचे- बैठने- की-
प्र-वृत्ति- होती- है- और- निम्न- वायुमण्डल-
में- बैठने- हुए- जल-कणों- का- निर्माण- होता- है-